No. of Printed Pages : 3

MHD-23

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. हिन्दी)

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

एम.एच.डी.–23 : मध्यकालीन कविता–1

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। शेष में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं **दो** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : $2 \times 10 = 20$

(क) सावन मास नन झर लाये। अखस नाँह दिन एकौ पाये॥
बरसि भरे मुई खार खँदोला। भियें न सूकै चीर अमोला॥
चख काजर चष रहे न पावा। बिन-बिन मैना रोइ बहावा॥
सावन चाँद लोर लै भागी। मैना नैन पूर झर लागी॥
इहँ पर नैन चुवहिं अरवानी। सारि गै द्वार डोर तिहँ पानी॥
जिंह सावन तुम्ह गवनें, सो मैना चख लाग॥
सिरजन कहसु लोर कहँ, माँजर केर अभाग॥

(ख) ऐसा चाहों राज मैं, जहाँ मिले सबन को अन्न।
छोट बड़ों सभ सम बसैं, रैदास रहे प्रसन्न॥

(ग) बूझत स्याम कौन तू गोरी।
कहाँ रहति काकी है बेटी, देखो तहीं कहूँ ब्रज खोरी॥
काहे कौं हम ब्रज-तन आवतिं, खेलति रहतिं आपनी पौरी॥
सुनत रहतिं सवननि नंद-ढोटा, करत फिरत माखन-दधि-चोरी॥
तुम्हरौ कहा चोरि हम लैहें, खेलन चलौ संग मिलि जोरी॥
सूरदास प्रभु रसिक-सिरोमनि, बातनि भुरइ राधिका भोरी॥

(घ) धूर भरे अति शोभित स्याम जू तैसी बनी सिर सुन्दर चोटी।
खेलत खात फिरै अंगना पग पैंजन बाजति, पीरी कछोटी॥
वा छवि को रसखानि बिलोकत बारत काम-कला निज कोटी।
काग के भाग बड़े सजनी हरि हाथ सों लैं गयो माखन रोटी॥

2. 'मध्ययुगीन होते हुए भी भक्तिकाल हिन्दी साहित्य का श्रेष्ठ काल है।' इस कथन के सन्दर्भ में शक्ति काव्य का महत्व स्पष्ट कीजिए। 10

3. भारतीय सूफी काव्य के ऐतिहासिक योगदान पर प्रकाश डालिए। 10

4. आज के सन्दर्भ में रविदास की प्रासंगिकता पर विचार प्रकट कीजिए। 10

5. हिन्दी साहित्य के विकास में कृष्ण काव्यधारा के योगदान की चर्चा कीजिए। 10

6. निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : $2 \times 5 = 10$

   (क) कबीर और तुलसी के राम में अन्तर

   (ख) चंदायन में लोक जीवन

   (ग) भ्रमरगीत

   (घ) रसखान के काव्य में भक्ति